आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 180 | उज्जैन, शुक्रवार 23 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

सिवनी मालवा में भारत के वीर सैनिकों के सम्मान में निकली तिरंगा यात्रा

भारत माता की जय और वंदे-मातरम के उदघोष से गूंज उठा सिवनी मालवा शहर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा में देश के वीर सैनिकों के सम्मान में आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। अपार जोश और उल्लास के साथ तिरंगा यात्रा स्थानीय शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय से प्रारंभ हुई और नर्मदापुरम मार्ग से होकर कृषि उपज मंडी प्रांगण में सम्पन्न हुई।

तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव तिरंगे फूलों से सजाए गए विशेष रथ में सवार थे। उन्होंने इस दौरान हाथ हिलाकर नागरिकों का अभिवादन किया। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा शहर राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो गया और आसमान भारत माता की जय और वंदे-मातरम् के उद्घोष से गुंजायमान हुआ। यात्रा में लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह, क्षेत्रीय सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, सिवनी मालवा विधायक श्री प्रेम शंकर वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए।

हाथों में राष्ट्रध्वज तिरंगा लिए सभी समुदायों और सभी आयु वर्ग के नागरिक बड़ी संख्या में इस तिरंगा यात्रा में भरपूर उत्साह के साथ शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस दौरान ÷तिरंगा यात्रा÷ में शामिल नागरिकों पर पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षिक संगठनो द्वारा आतिशबाजी की गई और तिरंगा यात्रा में शामिल नागरिकों पर पुष्प वर्षा भी की गई।

मौत जैसा एहसास, इंडिगो फ्लाइट में मौजूद TMC सांसद सागरिका घोष ने बताई आपबीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो की फ्लाइट को खराब मौसम के चलते भयंकर टर्बुलेंस से गुजरना पड़ा। इस विमान में ञ्रस्ष्ट की पांच सदस्यीय प्रतिमंडल की टीम सवार थी। पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में डेरेक ओ ब्रायन, नदिमुल हक, सागरिका घोष, मानस भुनिया और ममता ठाकुर शामिल थे।

ये सभी लोग श्रीनगर जाने वाली फ्लाइट में सवार थे, लेकिन खराब मौसम के कारण फ्लाइट में उतार-चढ़ाव आ गया। इसके बाद पायलट ने श्रीनगर में एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी जानकारी दी।

सागरिका घोष ने शेयर किया अनुभव - इस घटना को लेकर सागरिका घोष ने अपना अनुभव शेयर किया है, उन्होंने इसे मौत के बेहद करीब का बताया। सागरिका ने बताया, मुझे लगा कि मेरा जीवन खत्म हो गया है। लोग चिल्ला रहे थे, प्रार्थना कर रहे थे और घबरा रहे थे।

उन्होंने विमान उड़ा रहे पायलट को सलाम किया। उन्होंने कहा, पायलट का धन्यवाद जिसने हमें इस स्थिति से निकाला। जब हम उतरे तो हमने देखा कि विमान का अगला हिस्सा उड़ गया था। वहीं पांच सदस्यीय प्रतिमंडल ने लैंडिंग के बाद पायलट को धन्यवाद दिया।

आंध्र प्रदेश में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, म्यांमार स्टाइल में लगाते थे चूना; हिरासत में 100 से ज्यादा लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में साइबर ठगी से जुड़े कई तरह के मामले सामने आए हैं। इसी तरह का एक और मामला आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले से आया है, जहां म्यांमार और कंबोडिया जैसे स्टाइल में साइबर ठगी की जा रही थी। पुलिस ने इस साइबर ठगी के मामले का भंडाफोड़ कर 100 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। अब पुलिस इन लोगों को अज्ञात स्थान पर ले जाकर पूछताछ में जुटी है।

हिरासत में लिए गए लोगों से पुलिस उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों, भर्ती प्रक्रिया और ठगी के तौर-तरीकों के बारे में पूछताछ कर रही है। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों के नागरिकों को ठगी का शिकार बना रहे थे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, साइबर ठग करने वाली कंपनी ऐसे युवाओं को भर्ती करती थी जिनका अंग्रेजी उच्चारण काफी ज्यादा अच्छा, जिससे विदेशी नागरिकों को अपने जाल में आसानी से फंसाया जा सके।

न्याय के कठघरे में लाए जाएं अपराधी, US में इजरायली कर्मचारी की हत्या पर भड़के विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के वॉशिंगटन में यहूदी संग्रहालय के पास इजरायली दूतावास के दो कर्मचारी की मौत हो गई। अब इस हमले को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान सामने आया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वाशिंगटन डीसी में इजरायली राजनयिकों की हत्या की निंदा की है और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का एलान किया। जयशंकर ने कहा कि उनकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं इजरायली राजनयिकों के परिवारों और सहकर्मियों के साथ हैं। जयशंकर ने इसको लेकर एक्स पर पोस्ट किया है।

कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या- स्थानीय मीडिया के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि जयशंकर का यह बयान रात वाशिंगटन डीसी में कैपिटल यहूदी संग्रहालय के बाहर दो इजरायली दूतावास कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या के बाद आया है। कानून प्रवर्तन सूत्रों ने बताया कि संग्रहालय में एक कार्यक्रम से बाहर निकलते समय दो लोगों को गोली मार दी गई। आउटलेट के अनुसार, गोलीबारी स्थानीय समयानुसार रात करीब 9:15 बजे ख़ स्ट्रीट पर FBI कार्यालय भवन के पास हुई।

अमेरिकी अटॉर्नी जनरल ने शेयर किया पोस्ट- दूतावास के प्रवक्ता ने बताया कि इजरायली राजदूत इस घटना में शामिल नहीं थे और गोलीबारी के समय वे उस स्थान पर नहीं थे। वहीं अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वह और डीसी के लिए कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी जीनिन पिरो कैपिटल यहूदी संग्रहालय के बाहर गोलीबारी वाली पर पहुंच गए हैं। CBS न्यूज़ के अनुसार, जांच से परिचित दो लोगों ने कहा कि शूटर माना जाने वाला एक संदिग्ध हिरासत में है।

रिटायर जजों को नहीं मिल रहीं सुविधाएं, सुप्रीम कोर्ट ने कई राज्यों के मुख्य सचिवों को जारी किया अवमानना नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हाई कोर्टों के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के लिए चिकित्सा सुविधाओं और अन्य भत्तों के संबंध में आदेशों का पालन न करने के लिए दिल्ली, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, तेलंगाना और बंगाल के मुख्य सचिवों को अवमानना नोटिस जारी किया।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि इन राज्यों ने 18 फरवरी को जारी निर्देशों का पालन नहीं किया है। पीठ ने स्पष्ट किया- छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, तेलंगाना, बंगाल और दिल्ली ने इस न्यायालय द्वारा जारी सभी निर्देशों का पालन नहीं किया है।

उपरोक्त राज्यों के मुख्य सचिवों को नोटिस जारी किया जाए, जिसमें उनसे यह बताने के लिए कहा जाए कि अदालत की अवमानना के तहत इन राज्यों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए।

मुख्य सचिवों की व्यक्तिगत उपस्थिति की आवश्यकता नहीं - मामले की अगली सुनवाई 25 जुलाई को निर्धारित की गई है। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि मुख्य सचिवों की व्यक्तिगत उपस्थिति की आवश्यकता नहीं है, बशर्ते कि एक जिम्मेदार आइएएस अधिकारी व्यक्तिगत या वर्चुअल रूप से उपस्थित रहे।

यह मामला सेवानिवृत्त न्यायाधीश वीएस डेव द्वारा दायर अवमानना याचिका से संबंधित है जो सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के संघ के अध्यक्ष हैं। यह याचिका 2015 से

जज के घर कैश मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा वकील, अदालत ने खारिज कर दी एफआईआर दर्ज करने की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से नकदी मिलने के मामले में एफआईआर दर्ज करने की याचिका पर विचार करने से बुधवार को इन्कार कर दिया। न्यायालय ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि उसे याचिका दाखिल करने से पहले सक्षम अथॉरिटी के समक्ष ज्ञापन देना चाहिए था। यह आदेश जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जवल भुइयां की पीठ ने वकील जे. नेदुपरा की याचिका पर विचार करने से इन्कार करते हुए दिया।

दिल्ली के भारत मंडपम में राइजिंग नॉर्थईस्ट समिट 2025 का होगा आगाज, पूर्वोत्तर में निवेश के अपार अवसरों को मिलेगा नया मंच

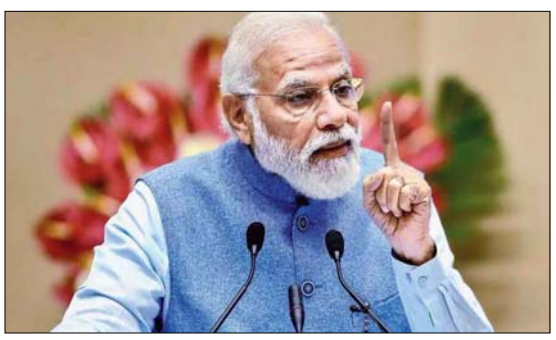

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में 23 और 24 मई को 'राइजिंग नॉर्थईस्ट द इन्वेस्टर्स समिट 2025' का आयोजन भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह दो दिवसीय समिट उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की व्यापारिक और निवेशीय संभावनाओं को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है।

इस समिट का आयोजन पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, फिक्की और इनवेस्ट इंडिया के सहयोग से किया जा रहा है। समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। इसका उद्देश्य इस क्षेत्र की भू-रणनीतिक स्थिति, प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों, कुशल कार्यबल और आस-पास के देशों में उपलब्ध बाजार तक पहुंच को उजागर करना है।

DoNER मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार, पूर्वोत्तर क्षेत्र व्यवसायों के लिए एक उभरता हुआ गंतव्य बन चुका है और यह समिट गठजोड़ों, साझेदारियों और व्यावसायिक विस्तार के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करता है।

समिट के माध्यम से निवेशकों को उत्तर-पूर्वी भारत को एक विनिर्माण और सेवा केंद्र के रूप में बदलने की प्रक्रिया में भागीदारी का अवसर मिलेगा। इसके अलावा, ASEAN और BBN देशों में नए बाजारों तक पहुंचने की योजना बना रहे उद्योगों को इस क्षेत्र में मिलने वाले प्रोत्साहनों और नीतिगत ढांचे की जानकारी भी दी जाएगी।

समिट से पहले देश के सात प्रमुख शहरों में रोडशो आयोजित किए गए ताकि संभावित निवेशकों को क्षेत्र की संभावनाओं से अवगत कराया जा सके।

अधिकारी ने कहा, यह समिट उद्योग जगत के प्रमुख लोगों, नीति निर्धारकों और अन्य हितधारकों के साथ नेटवर्किंग का एक महत्वपूर्ण मंच बनेगी, जिसमें G2B और B2B बैठकों के जरिए कई सहयोगों, विस्तारों और समझौता ज्ञापनों की संभावनाएं हैं।

समिट में 2000 से अधिक उच्चस्तरीय प्रतिनिधि, नीति निर्माता, उद्योगपति, निवेशक, बहुपक्षीय संस्थाएं और स्टार्टअप्स हिस्सा लेंगे। चर्चा के प्रमुख नौ क्षेत्रों में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, हथकरघा, हस्तशिल्प, खेल, शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन, अधोसंरचना, लॉजिस्टिक्स और ऊर्जा शामिल हैं।

असम से एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल समिट में विशेष उपस्थिति दर्ज कराएगा। पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार कहे जाने वाला असम राज्य अपने प्रमुख और उभरते क्षेत्रों में ताकत का प्रदर्शन करेगा।

जो आतंकियों को जो पनाह दे उसके साथ..., पहलगाम हमले की सच्चाई जानकर UAE का फूटा गुस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को दुनिया के आगे बेनकाब करने का फैसला कर लिया है। भारत सरकार की ओर 7 डेलिगेशन बनाई गई है। इसमें सभी पार्टियों के 51 नेता और 85 राजदूत 32 अलग-अलग देशों का दौरा करेंगे। डेलिगेशन अलग-अलग देशों में जाकर ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को लेकर जानकारी दे रही है।

आतंकवाद मानवता के लिए खतरा- डॉ. अली राशिद- शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे की लीडरशिप में सांसदों के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को संयुक्त अरब अमीरात में अहम बैठक की। सांसदों ने यूएई संघीय राष्ट्रीय परिषद के रक्षा मामलों, आंतरिक और विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष डॉ. अली राशिद अल नुमानी से मुलाकात की।

डॉ. अली राशिद ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म या राष्ट्रीयता नहीं होती। यह मानवता और पूरी दुनिया के लिए खतरा है। डॉ. अली राशिद ने कहा कि हमें एक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के रूप में एक साथ आना चाहिए और मानवता के लिए बेहतर भविष्य बनाना चाहिए।

यूएई किसी भी तरह से आतंकवाद का समर्थन नहीं करेगा- जमाल मोहम्मद- डेलिगेशन ने अबू धाबी में राष्ट्रीय मीडिया कार्यालय के महानिदेशक जमाल मोहम्मद ओबैद अल काबी के साथ अपनी बैठक के दौरान बताया कि भारत किस तरह से पाकिस्तान द्वारा की गई आतंकी गतिविधियों का शिकार रहा है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे श्रीकांत शिंदे ने गुरुवार को एएनआई से बात करते हुए कहा कि काबी ने पुष्टि की है कि यूएई किसी भी तरह से आतंकवाद का समर्थन नहीं करेगा।

जो देश आतंकवाद को पनाह देता है हम उनके साथ नहीं- यूएई- श्रीकांत शिंदे ने कहा कि डेलिगेश ने जमाल मोहम्मद ओबैद अल काबी को बताया कि पहलगाम हमले कैसे हुए। भारत पर कई सालों से हमले हो रहे हैं - मुंबई आतंकी हमले, पठानकोट हमला, पुलवामा हमला। उन्हें इसके बारे में पता था। उन्होंने एक सीधा संदेश दिया है कि वे ऐसे आतंकवादी संगठनों या ऐसे देश के साथ कभी खड़े नहीं हो सकते जो आतंकवादियों को पनाह देता है; कि वे आतंकवाद के खिलाफ हैं और सभी देशों के लिए एक साथ आकर आतंकवाद से लड़ना महत्वपूर्ण है।

चरमपंथी है आसिम मुनीर, उसकी सोच... विदेश मंत्री जयशंकर ने दुनिया को बताई पाकिस्तान सेना प्रमुख की सच्चाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पूरी दुनिया में पाकिस्तान की पोल खोल रही है। भारत की ओर से दुनिया के कई सबूत किए जा चुके हैं, जिसमें देखा गया है कि पाकिस्तानी सेना और आतंकवाद के रिश्ते कितने मजबूत हैं। दरअसल, आतंकवादियों के जनाजे में पाकिस्तान सेना के अधिकारी शामिल हुए थे, जिसकी तस्वीरें दुनिया ने देखा।

इसी बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को पहलगाम हमले में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की भूमिका पर निशाना साधा। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि जनरल मुनीर एक कट्टर धार्मिक विचारधारा वाला व्यक्ति है। आज के समय पाकिस्तान की सेना एक चरमपंथी धार्मिक सोच से प्रेरित है। कुछ लोगों की सोच-विचार उनके आचरण से जुड़ जाते हैं।

इंटरव्यू के दौरान जयशंकर स्पष्ट शब्दों में जवाब दिया है कि भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा है कि, किसी भी सरकार के लिए अपने देश की भौगोलिक सीमा की सुरक्षा करना पहला कर्तव्य है।

एस जयशंकर ने डच मीडिया एजेंसी एनओएस को दिए इंटरव्यू में यह बात कही। विदेश मंत्री ने पहलगाम हमले को लेकर कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा किया गया यह हमला टारगेट किलिंग की मंशा से की गई थी।

पाकिस्तान से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध काफी लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं।

पाकिस्तान में 100 साल पुराने शिव मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के टांडो जाम कस्बे के पास 100 साल पुराना एक शिव मंदिर है, जिसकी जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। एक हिन्दू समुदाय के प्रतिनिध ने पाकिस्तान की सरकार से अवैध निर्माण को रोकने की अपील की है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किया वीडियो- सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर दरावर इत्तेहाद पाकिस्तान के प्रमुख शिवा काछी ने कहा, मंदिर एक सदी से भी अधिक पुराना है। कुछ लोगों ने मंदिर के आसपास की भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया है और अवैध निर्माण शुरू कर दिया है और मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते को भी अवरुद्ध कर दिया है।

बता दें, दरावर इत्तेहाद एक संगठन है जो पाकिस्तान में हिन्दू समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है। अपने वीडियो में काछी ने कहा कि कराची से करीब 185 किलोमीटर दूर टांडो जाम कस्बे के पास मूसा खातियान गांव में शिव मंदिर और मंदिर के आसपास करीब चार एकड़ जमीन का प्रबंधन एक समिति करती है।

पिछले साल मंदिर का हुआ था जिर्णोद्धार - उन्होंने कहा, इस जमीन पर जमीन हड़पने वालों ने अवैध कब्जा कर लिया।

पहले तकरार, अब एकसाथ आए अमेरिका और कनाडा, गोल्डेन डोम से दोनों देश मजबूत करेंगे सुरक्षा घेरा; हर हमला होगा नाकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश की सुरक्षा के लिए एक अत्याधुनिक तकनीक लागू करने की घोषणा की है। गोल्डन डोम नाम की इस तकनीक को अमेरिका की नामी सुरक्षा उत्पाद कंपनी लॉकहीड मार्टिन द्वारा बनाया जाएगा।

अमेरिका के गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम में कनाडा भी शामिल हो सकता है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बुधवार को बताया कि उनकी सरकार गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम में शामिल होने के लिए अमेरिकी सरकार से बात कर रही है। गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम की लागत 175 अरब डॉलर है और इस तकनीक की मदद से अमेरिका अंतरिक्ष में भी हथियार तैनात करने में सक्षम हो जाएगा। ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि साल 2029 तक गोल्डन डोम मिसाइल सिस्टम पूरी तरह से संचालित हो जाएगा।

मार्क कार्नी ने ट्रंप से हुई मुलाकात के बाद कहा कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर गोल्डन डोम को लेकर बात हो रही है। उन्होंने कहा कि यह कनाडा की सुरक्षा के लिए अच्छा विचार है।

कौन है इलियास रोड्रिगेज? जिसने अमेरिका में इजरायली दूतावास कर्मियों पर बरसाईं गोलियां; दो की चली गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के वाशिंगटन डीसी स्थित यहूदी संग्रहालय के बाहर ताबड़तोड़ गोलीबारी देखने को मिली। बुधवार देर रात हुई इस गोलीबारी में इजरायली दूतावास के दो कर्मचारियों की मौत हो गई।

इलियास रोड्रिगेज ने की गोलीबारी- हमलावर की पहचान इलियास रोड्रिगेज के रूप में हुई है। रोड्रिगेड 30 वर्षीय है जो शिकागो में रहता है। पुलिस ने बताया कि रोड्रिगेज का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था और हमले से पहले उसे कार्यक्रम स्थल के बाहर टहलते हुए देखा गया था।

फलस्तीन मुक्ति के लगाए नारे- जो दो इजरायली अधिकारी संग्रहालय में एक यहूदी कार्यक्रम से बाहर आए, उन्हें कपल माना जा रहा है। जैसे ही वो बाहर आए, तभी रोड्रिगेज ने ताबड़तोड़ गोलियां चला दी।

द एनवाई टाइम्स के अनुसार, वाशिंगटन पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिए जाने के बाद रोड्रिगेज ने फलस्तीन को मुक्त करो, फिलिस्तीन को मुक्त करो के नारे लगाए।

कौन है इलियास रोड्रिगेज- रिपोर्टों के अनुसार, इलियास रोड्रिगेज पार्टी फॉर सोशलिज्म एंड लिबरेशन के साथ अपनी सक्रियता और ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन में भागीदारी के लिए जाना जाता है।

2017 में रोड्रिगेज ने तत्कालीन शिकागो मेयर रहम इमानुएल के घर के बाहर हो रहे एक विरोध प्रदर्शन में भी भाग लिया था। इसे पीपुल्स कांग्रेस ऑफ रेसिस्टेंस, ANSWER शिकागो और ब्लैक लाइव्स मैटर वूमेन ऑफ फेथ सहित समूहों द्वारा आयोजित किया गया था।

पुलिस के सामने करता रहा नारेबाजी- पुलिस द्वारा रोड्रिगेज को इमारत से बाहर घसीटे जाने के बावजूद भी वह नारे लगाता रहा। बाद में वह पुलिस को उस स्थान पर ले गया जहां उसने अपना हथियार फेंका था।

अमेरिका की सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क ने अच्युत सामंत के नाम पर शोध संस्थान का किया नामकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के प्रतिष्ठित सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क ने प्रसिद्ध भारतीय शिक्षाविद, समाजसेवी एवं कीट और कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत के सम्मान में एक शोध संस्थान का नामकरण किया है। यह संस्थान है अच्युत सामंत इंडिया इनिशिएटिव क्यूनी क्रेस्ट इंस्टिट्यूट – अमेरिकी छात्रों को भारत, विशेष रूप से ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत, आदिवासी विकास और शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. सामंत के योगदान पर गहन शोध का अवसर प्रदान करेगा।

यह पहली बार है जब किसी भारतीय के नाम पर विशेषकर ओडिशा के व्यक्तित्व के नाम पर अमेरिका में एक अकादमिक शोध संस्थान स्थापित किया गया है। इस ऐतिहासिक पहल से न केवल भारत-अमेरिका शैक्षणिक संबंधों को सशक्त आधार मिलेगा अपितु ओडिशा की समृद्ध कला, संस्कृति और शिक्षा मॉडल को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान भी मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में ब्रॉन्क्स कम्युनिटी कॉलेज जो के अंदर आता है, के अध्यक्ष डॉ. मिल्टन सैंटियागो ने कीट और कीस का दौरा किया था, जहाँ डॉ. मिल्टन, डॉ.अच्युत सामंत के कार्यों से अत्यधिक प्रभावित हुए। परिणाम स्वरुप उन्होंने अमेरिका वापस लौटने के उपरांत प्रोफेसर डॉ. सामंत के नाम पर CUNY में एक शोध संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव रखा जिसे विश्वविद्यालय बोर्ड द्वारा अनुमोदित कर लिया गया।

उद्घाटन समारोह के लिए डॉ. सामंत को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

हाथ में अंगूठी, दिल में प्यार... प्रेमी जोड़े को निगल गया काल, इजरायली प्रेम कहानी का हुआ दर्दनाक अंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में एक हमलावर ने इजरायली दूतावास के दो कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या कर दी। ये दोनों यहूदी अमेरिकी कर्मचारी थे और एक-दूसरे के साथ प्यार के बंधन में बंधे थे। वाशिंगटन डीसी में यहूदी म्यूजियम के बाहर इन दोनों की हत्या की गई।

इजरायली दूतावास के दोनों कर्मचारियों की पहचान यारोन और सारा के तौर पर की गई है और बहुत जल्द दोनों शादी भी करने वाले थे। इजरायली दूतावास की ओर से जानकारी दी गई कि मृतक दोनों लोग काफी अच्छे दोस्त और कलीग थे।

इजरायली दूतावास ने दी जानकारी- उन्होंने बताया कि यारोन और सारा काफी अच्छी जिंदगी जी रहे थे और अपने करिअर की पीक पर थे। आतंकी ने दोनों को उस वक्त गोली मारी जब वे दोनों म्यूजियम में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद बाहर निकल रहे थे।

इजरायली दूतावास ने बताया कि पूरा स्टाफ उनकी हत्या से दुखी है और इस घटना ने सभी को झकझोर दिया है। दूतावास ने बयान जारी कर कहा कि इस घटना के संबंध में कोई भी शब्द हमारे दुख को बयां नहीं कर सकता है।

अमेरिका में इजरायली राजदूत येशिल लेटर ने बताया कि सारा और यारोन जल्द सगाई करने वाले थे। यारोन ने सारा के लिए इसी हफ्ते अंगूठी भी खरीदी थी। वह अगले हफ्ते जेरुशलम में सारा को शादी के लिए प्रपोज करना वाला था और ये दोनों काफी खूबसूरत कपल थे।

आईआईटी मद्रास ने शुरू किए दो नए बीटेक कोर्स, इसी सत्र से मिलेगा दाखिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेजी बदलती प्रौद्योगिकी और बाजार की मांग को देखते हुए आईआईटी मद्रास ने दो और नए बीटेक प्रोग्राम शुरू किए है। जिसमें इसी शैक्षणिक सत्र से छात्रों को दाखिला मिलेगा। प्रत्येक प्रोग्राम के लिए 40-40 सीटें सृजित की गई है।

इस दौरान पहले प्रोग्राम का नाम बीटेक इन कंप्यूटेशनल इंजीनियरिंग और मैकेनिक्स (सीईएम) और बीटेक इन इंस्ट्रूमेंटेशन और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (आइबीएमई) है। इस दोनों ही प्रोग्राम में दाखिला जेईई एडवांस के जरिए ही मिलेगा।

छात्रों की मौजूदा समस्याओं का होगा समाधान- आईआईटी मद्रास ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए दाखिला शुरू होने से पहले इन दोनों नए बीटेक कोर्सों को शुरू करने का ऐलान किया है।

आईआईटी मद्रास के मुताबिक ये प्रोग्राम छात्रों को मौजूदा समस्याओं का समाधान देने में सक्षम बनाएगा।

इसमें इंजीनियरिंग के साथ मैकेनिक्स व बायोमेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन में कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस का तालमेल होगा। ये प्रोग्राम एप्लाइड मैकेनिक्स और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के माध्यम से शुरू किए जा रहे हैं।

यह विभाग 1959 में आईआईटी मद्रास की स्थापना के समय से विभिन्न विषयों के तालमेल से अनुसंधान में सबसे आगे रहा है। दोनों प्रोग्राम के छात्र अपने प्रोग्राम को पांच वर्षीय डुअल डिग्री (बीटेक-एमटेक) में अपग्रेड कर सकते हैं। यह इंटरडिसिप्लिनरी डुअल डिग्री (आईडीडीडी) प्रोग्रामों के माध्यम से संभव होगा।

आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी.

तमिलनाडु में बड़ा हादसा, सरकारी बस और टेम्पो में भीषण टक्कर से पांच लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में तजावुर-तिरुचिरापल्ली नेशनल हाईवे पर सेंगकिप्पटी ब्रिज के पास एक सरकारी बस और एक निजी टेम्पो वैन की जोरदार टक्कर हो गई। इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। तजावुर की जिला कलेक्टर प्रियंका बालासुब्रमण्यन ने सड़क दुर्घटना की जानकारी दी है।

20 मई को भी हुई थी बड़ी दुर्घटना- इससे पहले 20 मई को भी तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ था, जिसमें पांच श्रमिकों की मौत हो गई थी। एक मजदूर एसएस कोट्टई के पास मलकोट्टई में मेगा ब्लू मेटल द्वारा संचालित एक पत्थर की खदान में रॉकसाइड में गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस घटना को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिवार वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इसके साथ ही सीएम ने वित्तीय सहायता प्रदान करने की भी घोषणा की।

CM ने वित्तीय सहायता की घोषणा की - एक आधिकारिक बयान में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से कहा गया, राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मृतक के परिवार वालों और रिश्तेदारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है।

फ्रोजन बोतल से मंगाई ड्रिंक, बच्ची ने बर्फ समझकर खा लिया कांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई में एक मासूम लड़की से जुड़ा दर्दनाक मामला सामने आया है। दरअसल छोटी लड़की की ड्रिंक की बोतल में कांच का टुकड़ा मिला। बच्ची ने कांच को बर्फ का टुकड़ा समझकर खा लिया, इसके बाद उसको अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यह घटना 27 अप्रैल की है जब बच्ची की मां ने थोरईपक्कम में फ्रोजन बॉटल आउटलेट से बोबा चाय खरीदी। लड़की की मां जाह्नवी संघवी एक अंतरराष्ट्रीय इतिहास शिक्षिका हैं। उन्होंने लिंक्डइन पर इस दर्दनाक अनुभव को शेयर किया है। उन्होंने कहा, 27 अप्रैल को, मैंने फ्रोजन बॉटल थोरईपक्कम, चेन्नई से बोबा ड्रिंक खरीदी। उन्होंने बताया, बोतल सीलबंद थी, लेकिन उसमें कांच के टुकड़े थे ।

मां ने आगे कहा कि उनकी बेटी ने बर्फ समझकर कांच के टुकड़े को मुंह में डाल लिया, लेकिन जल्दी ही उसे एहसास हुआ कि वह कांच का टुकड़ा है और उसने उसे थूक दिया। इसके बाद, उसे तुरंत मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। लड़की की मां ने आगे बताया, अगले दिन उनकी बेटी को उल्टी होने लगी और उसे फिर से अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

रान्या राव सोना तस्करी मामले में ईडी का बड़ा एक्शन, कर्नाटक के गृह मंत्री से जुड़े संस्थानों पर फिर छापामारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर श्वष्ठ की रडार पर हैं। गृहमंत्री से जुड़े संस्थानों पर ईडी की टीम पहुंची थी। प्रवर्तन निदेशालय ने कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव और अन्य के खिलाफ सोना तस्करी से जुड़े धन शोधन मामले में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर से जुड़े स्थानों पर तलाशी जारी रखी।

सूत्रों के अनुसार, राज्य में सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज और सिद्धार्थ कॉलेज में तलाशी जारी रही। ईडी के अधिकारियों ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत राज्य में 16 स्थानों पर छापेमारी की।

छापेमारी हवाला ऑपरेटर और अन्य ऑपरेटर को निशाना बनाकर की गई है। जिन्होंने कथित तौर पर राव के खातों में फर्जी वित्तीय लेनदेन किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने राव के मामले सहित भारत में एक बड़े सोने की तस्करी रैकेट में सीबीआई और डीआरआई (राजस्व खुफिया निदेशालय) की शिकायत का संज्ञान लेने के बाद कुछ महीने पहले पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया था।

क्रेडिट कार्ड के लिए किया 40 लाख का भुगतान- ईडी के सूत्रों ने कहा कि एक शैक्षिक ट्रस्ट पर संदेह है कि उसने कथित तौर पर एक व्यक्ति के निर्देश पर राव के क्रेडिट कार्ड बिल के लिए 40 लाख रुपये का पेमेंट किया है। राव को दुबई से आने के बाद 3 मार्च को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। गुप्त सूचना के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने उसे हिरासत में लिया और 14.2 किलोग्राम वजनी सोने की छड़ें जब्त कीं, जिनकी कीमत 12.56 करोड़ रुपये से अधिक है।

राव और सह-आरोपी तरुण कोंडारू राजू को सोने की तस्करी के मामले में बेंगलुरु में आर्थिक अपराधों के लिए एक विशेष अदालत ने जमानत दे दी।

वहीं अदालत ने डीआरआई की तरफ से निर्धारित समय के अंदर आरोपपत्र दाखिल करने में विफल रहने के बाद उनकी डिफ़ॉल्ट जमानत याचिकाओं को मंजूरी दे दी। हालांकि, एक्ट्रेस रान्या राव अभी भी सलाखों के पीछे रहेंगी।

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून पर अंतरिम रोक के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में बहस पूरी हो गई है। इस दौरान केंद्र सरकार ने कानून पर अंतरिम रोक लगाने का जोरदार विरोध किया है। सुनवाई पूरी होने के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने इस पूरे मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

बता दें कि अंतरिम आदेश सुरक्षित रखने से पहले सीजेआई बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने संशोधित वक्फ कानून का विरोध करने वालों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, राजीव धवन और अभिषेक सिंघवी और केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें लगातार तीन दिनों तक सुनीं।

तीन दिन कोर्ट ने सुनीं दललें- बहस के दौरान केंद्र सरकार ने वक्फ कानून का पुरजोर समर्थन किया। इस दौरान केंद्र सरकार ने कहा कि वक्फ अपने स्वभाव से ही एक धर्मनिरपेक्ष अवधारणा है और इसके पक्ष में संवैधानिकता की धारणा को देखते हुए इसे रोका नहीं जा सकता।

याचिकाकर्ता ने दिया ये तर्क - बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में याचिकाकर्ताओं का नेतृत्व कर रहे कपिल सिब्बल ने वक्फ कानून को गैर संवैधानिक बताया। वहीं, तर्क दिया कि यह गैर-न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से वक्फ पर कब्जा करने का साधन बन जाएगा।

कपिल सिब्बल ने कहा कि सरकार यह तय नहीं कर सकती कि कौन से मुद्दे उठाए जा सकते हैं। वहीं, याचिकाकर्ताओं ने मौजूदा चरण में तीन प्रमुख मुद्दों पर अंतरिम आदेश की मांग की है।

इन तीन मुद्दों पर अंतरिम आदेश की मांग- तीन मुद्दों में से एक मुद्दा कोर्ट द्वारा वक्फ, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ या विलेख द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति से संबंधित था।

तो मुस्लिम होने का घोषणापत्र देना होगा, SC में केंद्र ने कहा- वक्फ इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून पर अंतरिम रोक के मुद्दे पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बहस पूरी कर ली है। सरकार ने कानून पर अंतरिम रोक लगाने का जोरदार विरोध किया है।

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने वक्फ कानून में वक्फ करने वाले के लिए प्रैक्टिसिंग मुस्लिम होने की अनिवार्यता के प्रविधान को सही ठहराते हुए कहा कि शरिया कानून में भी अगर कोई मुस्लिम पर्सनल ला का लाभ लेना चाहता है तो उसे भी मुस्लिम होने का घोषणापत्र देना होगा। इस कानून में भी यही है बस पांच साल के प्रैक्टिसिंग मुस्लिम होने की बात कही गई है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, पुराने कानून में भी था कि वक्फ करने वाला मुसलमान होगा, लेकिन 20213 के संशोधन में मुसलमान शब्द हटा कर कोई भी व्यक्ति कर दिया गया था। इस नए संशोधित कानून में उसे बदला गया है।

उन्होंने कहा कि वक्फ तो मुसलमान ही करेगा। और अगर कोई हिंदू वक्फ को दान करना चाहता है तो अभी भी कर सकता है उस पर कानून में कोई रोक नहीं है। अगर हिंदू किसी मस्जिद को बनवाना चाहता है ऐसा कर सकता है एक ट्रस्ट के जरिए ऐसा किया जा सकता है।

सॉलिसिटर जनरल ने ट्राइबल एरिया में यानी शिड्यूल एरिया में वक्फ नहीं हो सकता इस प्रविधान को सही ठहराते हुए कहा कि संवैधानिक रूप से एसटी शिड्यूल एरिया को संरक्षित किया गया है। उन्हें वैध कारणों से संरक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रविधान ऐसा नहीं है कि इसके आधार पर कानून पर अंतरिम रोक लगा दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून पर लंबित हैं याचिकाएं- सुप्रीम कोर्ट में बहुत सी याचिकाएं लंबित हैं, जिसमें वक्फ संशोधन कानून 2025 की वैधानकिता को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और एजी मसीह की पीठ आजकल याचिकाओं में कानून पर अंतरिम रोक लगाने की मांग पर सुनवाई कर रही है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण एकादशी

संपादकीय

दुनियाँ का हर देश अभी तक कोरोना वायरस (कोविड-19) की महामारी को भूल नहीं पाए है....

दुनियाँ का हर देश अभी तक कोरोना वायरस (कोविड-19) की महामारी को भूल नहीं पाए है, या यूं कहें कि संभल नहीं पाए हैं,इस बीच कोरोना महामारी के अनेक वेरिएंट आ चुके हैं,लेकिन अभी मई माह में जो फिर से कोरोना वायरस की आहट हुई है यह कोविड -19 तुल्य है,ऐसी जानकारी मीडिया में आ रही है हालांकि इसका अधिक प्रकोप अभी खासकर हांगकांग सिंगापुर थाईलैंड में स्थिति चिंताजनक होती जा रही है क्योंकि संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में भी 19 मई 2025 तक 257 केस आ चुके हैं, जिससे शासन प्रशासन स्वास्थ्य विभाग पूरी तरहसे अलर्ट मोड में आ गए हैं,हालांकि सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियां कोरोना की इस आहट को हल्के में लेने के मूड में नहीं हैं,सोमवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग बुलाई जिसमें एनसीडीसी, आईसीएमआर, डिसास्टर मैनेजमेंट सेल और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों ने भाग लिया, मीटिंग के बाद अधिकारियों ने बताया कि देश में कोविड की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, भारत का इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम और आईसीएमआर के नेतृत्व में चल रहे जीनोम सीक्वेंसिंग कार्यक्रम लगातार कोरोना और अन्य श्वसन संक्रमणों पर नजर बनाए हुए हैं, मंत्रालय ने साफ किया है कि फिलहाल यह चिंता की बात नहीं है, लेकिन सतर्कता ज़रूरी है,देश की स्वास्थ्य व्यवस्थाकिसी भी संभावित संक्रमण की लहर से निपटने के लिए तैयार है, परंतु इस बीच दिनांक 20-21मई 2025 की मध्यरात्रि में जिनेवा में चल रहे विश्व स्वास्थ्य संगठन के विश्व स्वास्थ्य सभा 19, से 27 मई 2025 के 78 वें सत्र में सभा के सभी सदस्यों की आपसी 3 वर्षों की बातचीत के उपरांत भविष्य की महामारी में मिलकर तैयारी करने का समझौता हो गया है, जो रेखांकित करने वाली बात है मेरा मानना है कि अब पूरी दुनियाँ की कोई भी महामारी आ जाए तो अगर पूरा विश्व एक साथ एक दूसरे का सहयोग कर उसका मुकाबला करेगा तो वह कोविड-19 जैसी किसी भी महामारी का गंभीरता से मुकाबला करेगा तो उस महामारी को मैदान छोड़कर भागना ही पड़ेगा यह होता है एक और एक 11 की ताकत का सटीक कमाल! चूँकि कोरोना महामारी कोविड -19 के प्रभाव की आहट फिर भारत सहित कुछ देशों में हो चुकी है, व तीव्रता से संक्रमण शुरू हो गया है तथा विश्व स्वास्थ्य सभा के 78 वें सत्र में भविष्य की महामारियों से एक जुट से लड़ने का ऐतिहासिक समझौता अब हो चुका है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इसआर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,वैश्विक स्तरपर मास्क सैनिटाइजर की फिर आदत फ़िर डालना,भीड़भाड़ वाली जगह व किसी भी अपवाह या डर का शिकार न होना सभी के लिए जरूरी है।

साथियों बात अगर हम कोविड -19 महामारी के भारत में पैर पसारने की करें तो,हालांकि भारत में अभी मामलों की संख्या कम है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो ट्रेंड दिख रहा है, वह चिंताजनक है। अगर सही समय पर कदम नहीं उठाए गए, तो भारत भी इस नई लहर की चपेट में आ सकता है, विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में टीकाकरण का प्रभाव अब कम होने लगा है, बूस्टर डोज की जरूरत एक बार फिर बढ़ गई है, लेकिन लोग इसमें ढिलाई बरत रहे हैं।विशेषज्ञों का कहना है बच्चों बुजुर्गों, 65 साल से ऊपर के लोगों, और जिनकी इम्युनिटी पहले से कमजोर है, उन्हें यह संक्रमण तेजी से पकड़ सकता है,साथ ही मौसमी बदलाव, सामाजिक मेल जोल और अंतरराष्ट्रीय यात्रा भी इसके प्रसार को बढ़ावा दे रहे हैं अभी हुई बैठक में नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, इमरजेंसी मेडिकल रिलीफ डिवीजन, डिजास्टर मैनेजमेंट सेल, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञ मौजूद थे आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बैठक में यह निष्कर्ष निकाला गया न कि भारत में कोविड-19 स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। सूत्र ने बताया,19 मई 2025 तक भारत में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या 257 है।

चन्द्रबली सिंह

चन्द्रबली सिंह एक लेखक होने के साथ-साथ उत्कृष्ट कोटि के अनुवादक एवं आलोचक थे।

ग़ाज़ीपुर में जन्मे चन्द्रबली सिंह ने लोक दृष्टि, हिन्दी साहित्य तथा आलोचना का जनपक्ष नामक शीर्षक से पुस्तक का प्रकाशन किया। इनकी गिनती एक उत्कृष्ट कोटि के अनुवादक के रूप में भी की जाती थी।

जीवन परिचय

चन्द्रबली सिंह अंग्रेज़ी के परम विद्वान् होकर भी हिन्दी के साधक थे। वे रामविलास शर्मा के सान्निध्य में काफ़ी लम्बे समय तक आगरा के बलवंत राजपूत स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राध्यापन करते रहे। चन्द्रबली सिंह अपनी साइकिल की डंडी पर रामविलास जी को बैठाकर, गपशप करते हुए, महाविद्यालय आते-जाते थे। रामविलास शर्मा ने अपनी रामचन्द्र शुक्ल पर लिखी आलोचना पुस्तक को चन्द्रबली सिंह को अभूतपूर्व आलोचक कहकर समर्पित किया है। वे लम्बे-छरहरे थे। पान अधिक खाने से उनके दाँत काले पड़ गए थे, किन्तु उनकी वाणी में मिठास थी। जो भी इनके पास आता, इनका ही हो जाता था। वे सरल और सहृदय थे।

साहित्यिक परिचय

चन्द्रबली सिंह ने जो आलोचनात्मक निबंध लिखे हैं, वे उनकी दो पुस्तकों में संकलित हैं-

लोकदृष्टि और हिन्दी साहित्य
आलोचना का जनपद

चूँकि वे अंग्रेज़ी कविता के मर्मज्ञ थे, छठे दशक में नाजिम हिकमत की कविताओं के अनुवाद किए थे, जो पुस्तकाकार 'हाथ' शीर्षक से छपा था। साहित्य अकादमी से उनकी पाब्लो नेरूदा की कविताओं का एक संचयन प्रकाशित हुआ था। अपनी मृत्यु के पूर्व उन्होंने एमिली डिकिन्सन, वाल्ट ह्विटमन एवं बर्तोल्ट ब्रेख्त की कविताओं के अनुवाद किए थे, जो महात्मा गाँधी अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के सहयोगी से वाणी प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है। खेद का विषय यह है कि वे इन किताबों को प्रकाशित रूप में नहीं देख पाए। वाल्ट ह्विटमन अमरीका के राष्ट्रीय कवि हैं। वे कविता में मुक्तछंद के जन्मदाता हैं। 'घास की पत्तियाँ' उनकी अमर कृति है, जिसकी लोकप्रियता देश-देशान्तर में है। चन्द्रबली सिंह युवावस्था से ही उनकी कविताओं के मर्मज्ञ अध्येता रहे हैं। उन्होंने ह्विटमन की कविताओं का लन्मयता में डूबकर हिन्दी में रूपान्तर किया है। यह पुस्तक चन्द्रबली सिंह की उम्र भर की साधना का प्रतिफल है। अमरीका के इस महान् कवि के महत्त्व को हिन्दी के प्रारम्भिक दो साहित्य-निर्माताओं ने बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में ही स्वीकार कर लिया था और चन्द्रबली सिंह ने उनकी महत्ता को समग्रता में पहली बार उजागर किया। उन्होंने वाल्ट ह्विटमन की संक्षिप्त जीवनी के साथ-साथ उनकी कविताओं पर विस्तार से विचार किया है।

सास्कृतिक आंदोलन के समर्थक

चन्द्रबली जी रामविलास शर्मा, त्रिलोचन शास्त्री की पीढ़ी से लेकर प्रगतिशील संस्कृतिकर्मियों की युवतम पीढ़ी के साथ चलने की कुव्वत रखते थे। वे जनवादी लेखक संघ के संस्थापक महासचिव और बाद में अध्यक्ष रहे। उससे पहले तक वे प्रगतिशील लेखक संघ के महत्वपुर्ण स्तम्भ थे। जन संस्कृति मंच के साथ उनके आत्मीय संबंध ताजिन्दगी रहे। बाबरी मस्जिद ढहाए जाने के बाद राष्ट्रीय एकता अभियान के तहत सांस्कृतिक संगठनों के साझा अभियान की कमान बनारस में उन्हीं के हाथ थी और इस दौर में उनके और हमारे संगठन के बीच जो आत्मीय रिश्ता क़ायम हुआ, वह सदैव ही चलता रहा। उनके साक्षात्कार 'समकालीन जनमत' में प्रकाशित हुए। चन्द्रबली जी वाम सास्कृतिक आंदोलन के समन्वय के प्रखर समर्थक रहे।

चन्द्रबली जी ने मार्क्सवादी सांस्कृतिक आन्दोलन के भीतर की बहसों के उन्नत रूप और स्तर के लिए हरदम ही संघर्ष किया। 'नई चेतना' 1951 में उनका लेख छपा था- 'साहित्य का संयुक्त मोर्चा'। (बाद में वह 'आलोचना का जनपक्ष' पुस्तक में संकलित भी हुआ। चन्द्रबली जी ने इस लेख में लिखा, 'सबसे अधिक निर्लिप्त और उद्देश्यपूर्ण आलोचना आत्मालोचना कम्यूनिस्ट- लेखकों और आलोचकों की और से आनी चाहिए। उन्हें अपने भटकावों को स्वीकार करने में किसी प्रकार की झेंप या भीरुता नहीं दिखलानी चाहिए, क्योंकि जागरूक क्रांतिकारी की यह सबसे बड़ी पहचान है कि वह आम जनता को अपने साथ लेकर चलता है और वह यह जानता है कि दूसरों की आलोचना के साथ-साथ जब तक वह अपनी भी आलोचना नहीं करता, तब तक वह न सिर्फ जनता को ही साथ न ले सकेगा, वरन् स्वयं भी वह अपने लिए सही मार्ग का निर्धारण नहीं करा पाएगा। दूसरों की आलोचना में भी चापलूसी करने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि चापलूसी उन्हें कुछ समय तक धोखा दे सकती है, किन्तु उन्हें सुधार नहीं सकती। मैत्रीपूर्ण आलोचना का यह अर्थ नहीं कि हम दूसरों की गलतियों को जानते हुए भी छिपाकर रखें। आत्मालोचना के स्तर और रूप की यही विशेषता- मार्क्सवादी आलोचना होनी चाहिए कि हम उसके सहारे आगे बढ़ सकें।

गद्य को पहुँचाया उत्कर्ष पर

आचार्य रामचंद्र शुक्ल के बाद आचोलना का ऐसा समर्थ स्तबक किसी ने नहीं लिखा, लेकिन चंद्रबली सिंह ने गद्य को उत्कर्ष पर पहुंचाया। मैं भी ऐसा गद्य नहीं लिख सकता। यह बात वरिष्ठ आलोचक नामवर सिंह ने जनवादी लेखक संघ केंद्र की ओर से प्रोफेसर चंद्रबली सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते समय साहित्य अकादमी के सभागार में आयोजित सभा में कही। उन्होंने कहा कि चंद्रबली ने जिन छह कवियों को अनुवाद के लिए चुना उनमें पाब्लो नेरुदा, नाजिम हिकमत, मायकोव्स्की, वाल्ट ह्विटमैन, एमिली डिकिन्सन और ब्रेख्त हैं। इन सबने फासिज्म के विरोध में तथा मानवीय उत्पीड़न के विरोध में यथार्थवादी कविताएं लिखी थीं। इस चयन से उनकी आलोचनात्मक कसौटी का पता चलता है। उन्होंने कहा कि चंद्रकांता संतति पर पहली बार चंद्रबली सिंह ने ही विस्तार से विचार किया और खड़ी बोली हिंदी के कथा साहित्य के विकास में देवकीनंदन खत्री की दृष्टि को सकरात्मक रूप से प्रस्तुत किया। जनवादी लेखक संघ के महासचिव मुरली मनोहर प्रसाद सिंह ने कहा कि द्वंद्वात्मक एवं ऐतिहासिक दृष्टि की प्रखरता उनकी आलोचना में जिस तरह से उभरी है, उससे सीख लेने की ज़रूरत है। वह साहित्य के सभी क्षेत्रों में बहुविज्ञ पंडित थे। नागरी प्रचारिणी सभा के विश्वकोश में जितनी भी यूरोपीय साहित्य की टिप्पणी छपीं, वे चंद्रबली जी ने ही लिखीं। विश्व साहित्य की दृष्टि से भी उनका ज्ञान बहुत व्यापक था। आलोचना की प्रांजल भाषा लिखने के हिसाब से वह अद्वितीय थे।

निधन

हिन्दी के सुप्रसिद्ध मार्क्सवादी आलोचक, संगठनकर्ता और विश्व कविता के श्रेष्टतम अनुवादकों में शुमार कामरेड चन्द्रबली सिंह का 23 मई, 2011 को 87 वर्ष की आयु में बनारस में निधन हो गया। चन्द्रबली जी का जाना एक ऐसे कर्मठ वाम बुद्धिजीवी का जाना है, जो मार्क्सवादी सांस्कृतिक आन्दोलन के हर हिस्से में बराबर समादृत और प्रेरणा का स्रोत रहा।

टैरिफ वॉर के बीच खतरे में इस दिग्गज कंपनी के कर्मचारियों की नौकरी, 1500 कर्मचारियों को बाहर निकालने की तैयारी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। ई-कॉमर्स कंपनी वॉलमार्ट के कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर है। फ्लिपकार्ट की पैरेंट वॉलमार्ट ने अपने स्टाफ को बड़ा झटका दिया है। कंपनी के कर्मचारियों की नौकरी खतरे में हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी रिटेल दिग्गज वॉलमार्ट अपने ऑपरेशनल को सरल बनाने के लिए रीस्ट्रक्चरिंग के प्रयास के तहत लगभग 1,500 कॉर्पोरेट नौकरियों में कटौती करने की योजना बना रही है।

इस कदम का उद्देश्य इसके ऑपरेशनल को सुव्यवस्थित करना है। नौकरी में कटौती कई तरह की भूमिकाओं में होने की उम्मीद है, जिसका असर वॉलमार्ट के ग्लोबल टेक्नोलॉजी डिविजन, अमेरिकी स्टोर्स में ई-कॉमर्स ऑपरेशन और इसकी विज्ञापन यूनिट वॉलमार्ट कनेक्ट के कर्मचारियों पर पड़ेगा। कंपनी की योजना इसके ग्लोबल टेक्नोलॉजी ऑपरेशनल, अमेरिकी स्टोरों में ई-कॉमर्स पूर्ति में टीमों को प्रभावित करेगी। यह खर्चों को कम करने और तेजी से निर्णय लेने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किए गए रीस्ट्रक्चरिंग का एक हिस्सा है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी कुछ पोस्ट को समाप्त करेगी और कुछ नए पोस्ट खोलेगी।

नौकरियों में कटौती ऐसे समय में हुई है जब दुनिया के सबसे बड़े खुदरा विक्रेता ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरिफ के प्रभाव के कारण कुछ वस्तुओं पर कीमतें बढ़ाने की योजना बना रहा है।

हर शेयर पर 45 रुपये का मुनाफा, इस कंपनी के निवेशकों के लिए है खुशखबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप एलटीआई माइंडट्री के निवेशक हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, एलटीआई माइंडट्री के डिविडेंड का रिकॉर्ड डेट कल यानी 23 मई 2025 को है। बता दें कि बीते दिनों कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 45 रुपये डिविडेंड देने का ऐलान किया था। मतलब ये हुआ कि हर शेयर पर निवेशकों को 45 रुपये का मुनाफा मिलेगा। पात्र शेयरधारकों का चयन कंपनी के रिकॉर्ड तिथि के रिकॉर्ड के आधार पर अंतिम रूप से किया जाता है। वहीं, एक्स-डिविडेंड डेट निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह निर्धारित करती है कि डिविडेंड किसे मिलेगा। जो लोग एक्स-डेट पर या उसके बाद स्टॉक खरीदते हैं, वे आगामी डिविडेंड के लिए पात्र नहीं होंगे।

सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को एलटीआई माइंडट्री के शेयर में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई और भाव 5097 रुपये पर पहुंच गया। शेयर के 52 हफ्ते का लो 3,841.05 रुपये और हाई 6,764.80 रुपये है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी पर नजर रखने वाले 42 विश्लेषकों में से 24 ने खरीदें रेटिंग बनाए रखी है। वहीं, 11 ने होल्ड की सलाह दी है और सात ने बेचने को कहा है। बता दें कि कंपनी में प्रमोटर्स की शेयरहोल्डिंग 68.57 फीसदी की है।

ऐसा क्या हुआ की एक दिन में इस कंपनी का शेयर 66% टूटा, 100 रुपये के नीचे आया भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आदित्य बिरला फैशन के शेयरों में गुरुवार (22 मई 2025) को 66 प्रतिशत कम कीमत पर ट्रेड करने लगा था। इसके पीछे की वजह मुद्रा फैशन एंड लाइफ स्टाइल बिजनेस का आदित्य बिरला फैशन से अलग होना है। 22 मई की तारीख इस डिमर्जर के लिए रिकॉर्ड डेट घोषित तय किया गया था।

आदित्य बिरला फैशन के शेयर डिमर्जर के बाद गुरुवार को 97 रुपये के लेवल पर खुला। इससे पहले बुधवार को कंपनी के शेयर 269.15 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। हालांकि, गुरुवार को कंपनी के शेयर 88.40 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर पहुंच गया था। बाजार के बंद होने के समय पर आदित्य बिरला फैशन के शेयर 89.85 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

इस गिरावट के पीछे की वजह बिकवाली नहीं है। बल्कि एडजस्टमेंट है। आदित्य बिरला फैशन रिटेल लिमिटेड अब अलग कंपनी के तौर पर शेयर बाजार में ट्रेड करेगी। जब कोई कंपनी दो या उससे अलग हिस्सो में बांट दी जाती है तो रिकॉर्ड डेट पर शेयरों का एडजस्टमेंट होता है।

इस डिमर्जर को ABFRL के बोर्ड ने पिछले साल अप्रूवल दे दिया था। इस डिमर्जर के बाद मुद्रा फैशन एंड लाइफस्टाइल को एक अलग कंपनी के तौर पर रजिस्टर्ड किया जाएगा। इस डिवीजन का नाम ABLBL होगा। अप्रूव्ड स्कीम के तहत ABLBL को ABLBL का एक शेयर पर एक शेयर मिलेगा। बता दें, ABLBL की बीएसई और एनएसई में लिस्टिंग की तैयारी है। इस डिमर्जर के बाद ABLBL को 1000 करोड़ रुपये का कर्ज ट्रांसफर होगा। वहीं, बाकि 2000 करोड़ रुपये का कर्ज आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड को जाएगा।

इस बंटवारे के पीछे की वजह 2 बड़ी कंपनियों को शेयर बाजार में स्थापित करना है। इस डिमर्जर के बाद दोनों कंपनियां अब अलग कैपिटल और रणनीति के साथ आगे बढ़ पाएंगी।

एफडी से सेविंग अकाउंट तक...इस सरकारी बैंक ने ग्राहकों के ब्याज पर चलाई कैंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने अपने उन ग्राहकों को बड़ा झटका दिया है, जो पैसे जमा कर ब्याज कमाते थे। ऐसे ग्राहकों को जमा रकम पर अब पहले के मुकाबले कम ब्याज मिलेगा। दरअसल, केनरा बैंक ने अपनी सावधि जमा (एफडी) और बचत खाते की ब्याज दरों में संशोधन किया है।

एफडी के लिए नई दरें 21 मई, 2025 से प्रभावी हैं। वहीं, बचत खातों के लिए 19 मई, 2025 से नई ब्याज दरें लागू हैं। सावधि जमा दर में कटौती 3 करोड़ रुपये से कम जमा पर लागू होती है। इस कटौती के बाद सामान्य ग्राहकों के लिए डिपॉजिट पर ब्याज दर 4% से 7% के बीच रह जाता है। वहीं, सीनियर सिटीजन के लिए ब्याज दर 4% से 7.50% के बीच रहता है। सीनियर सिटीजन को 180 दिनों से अधिक और 3 करोड़ रुपये से कम (एनआरई/एनआरओ और सीजीए जमा को छोड़कर) एफडी पर अतिरिक्त 0.50% ब्याज मिलता है। सुपर सीनियर सिटीजन (80 वर्ष और उससे अधिक आयु के) को केनरा-444 योजना के तहत 0.60% अतिरिक्त ब्याज का लाभ मिलता है, जिससे जमा के लिए ब्याज दर 7.60% हो जाती है। केनरा बैंक की टैक्स सेविंग स्कीम के तहत सामान्य नागरिकों को 6.70% प्रति वर्ष ब्याज मिलता है।

3 बड़ी फैक्ट्रियां बना रही रिलायंस, सोलर पैनल होंगे तैयार, 20GW तक कैपेसिटी का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड इस साल अपनी सोलर फोटोवॉल्टिक मॉड्यूल्स फैक्ट्री (सोलर पैनल बनाने वाली फैक्ट्री) चालू कर देगी। कंपनी के एक अधिकारी ने यह बात गुरुवार को बताई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड में स्ट्रैटेजी और इनीशिएटिव्स के प्रेसिडेंट पार्थ पी मैत्रा ने बताया, हम 3 बड़ी फैक्ट्रियां बना रहे हैं...यह फैक्ट्रियां क्लीन एनर्जी से जुड़ी जरूरतों का उत्पादन करेंगी। साल 2022 में पीछे रहने के बाद भारत अपने क्लीन एनर्जी टारगेट्स को पूरा करने की कोशिश में जुटा है।

पिछले सालों में भारत ने क्लीन एनर्जी सेक्टर में अपना निवेश बढ़ाया है, लेकिन साल 2030 तक 500 गीगावॉट के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए अगले पांच साल में कैपेसिटी एडिशंस को दोगुना करना होगा। यह बात ग्लोबल एनर्जी मॉनिटर रिपोर्ट में कही गई है। मैत्रा ने कहा है कि रिलायंस का लक्ष्य सोलर मॉड्यूल कैपेसिटी को सालाना 20 गीगावॉट तक करने का है। उन्होंने बताया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज की बैटरी और माइक्रो पावर इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्ट्री अगले साल शुरू होगी।

पार्थ पी मैत्रा ने बताया कि अगर ऐसा होता है तो हम सोलर फोटोवॉल्टिक मॉड्यूल्स (सोलर पैनल) तैयार करने में दुनिया में नंबर-2 हो जाएंगे। हम चीन के बाहर टोटल सोलर फोटोवॉल्टिक मॉड्यूल्स का करीब 14 पर्सेंट प्रॉडक्शन करेंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर गुरुवार को BSE में गिरावट के साथ 1409.60 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। इस साल अब तक रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 15 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। पिछले पांच साल में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 115 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

इस डिफेंस स्टॉक के हाथ लगा 25000 करोड़ का काम, शेयरों में करीब 12% की तेजी, 90 दिन में पैसा डबल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी डिफेंस कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स लिमिटेड के शेयरों में करीब 12 प्रतिशत की उछाल देखने को मिला है। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह इंडियन नेवी से मिला काम है। सरकारी डिफेंस कंपनी ने बताया है कि उन्हें इंडियन नेवी के लिए अगले जनरेशन की Corvettes (वार शिप) के लिए सबसे कम बोली लगाई है। कंपनी को 5 एनजीसी शिप का काम मिला है। इस ऑर्डर की वैल्यू 25000 करोड़ रुपये है।

गार्डन रिच ने बताया है कि इस ऑर्डर की कुल वैल्यू 40,000 करोड़ रुपये का है। लेकिन इसे दो शिपयार्ड कंपनी के बीच बांटा गया है। वहीं, 2025 के अंततक कंपनी की कोशिश है कि वो अपनी शिपबिल्डिंग क्षमता को 24 से बढ़ाकर 28 करना चाहते हैं।

बीएसई में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स लिमिटेड के शेयरों का भाव 2461.25 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव करीब 12 प्रतिशत की उछाल के बाद 2798.40 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

जंगल में फायरिंग के बाद माओवादियों का 20 किमी तक किया था पीछा, बालाघाट में जवानों से हुआ था सीधा आमना-सामना

बालाघाट। बालाघाट जिले के लांजी क्षेत्र अंतर्गत डाबरी के पास बिलालकसा के घने जंगलों में मंगलवार को हुई पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने साहस और धैर्य का शानदार प्रदर्शन किया।

माओवादियों की भारी फायरिंग के बावजूद जवानों ने उनका 20 किलोमीटर तक पीछा किया। यह पहली बार हुआ है, जब इतनी लंबी दूरी तक माओवादियों का पीछा किया गया, जबकि ऐसी स्थिति में 2-3 किमी तक ही कार्रवाई की जाती है।

पूर्व सूचना के आधार पर बनाई रणनीति तैयार- सूत्रों के अनुसार मलाजखंड संयुक्त टांडा एरिया कमेटी के लगभग 15-20 माओवादी जंगल में सक्रिय थे। इसकी सूचना पुलिस को दो-तीन दिन पहले ही मिल चुकी थी। इसके बाद जवानों और पुलिस बल ने योजनाबद्ध तरीके से जंगल के विभिन्न हिस्सों में अपनी टीमों को तैनात किया, ताकि माओवादियों को चारों ओर से घेरा जा सके।

आवाज से खुला पुलिस की मौजूदगी का राज- सर्च ऑपरेशन के दौरान जवानों की आवाज से माओवादी सतर्क हो गए। उन्होंने तुरंत पुलिस पर 20-30 राउंड फायर किए। इसके जवाब में जवानों ने पेड़ों और पत्थरों की आड़ में मोर्चा संभाला और जवाबी फायरिंग की। करीब 20 किलोमीटर तक माओवादियों का पीछा किया गया, लेकिन वे घने जंगल का लाभ उठाकर भागने में सफल हो गए।

घटना के बाद लांजी पुलिस ने मलाजखंड टांडा समूह के सक्रिय माओवादी विकास उर्फ अनिल नगपुरे, दीपक उर्फ सुधाकर उर्फ मंगल सिंह उर्फ छोटा दीपक उर्फ मेहतर उइके, प्रेम उर्फ प्रवीण उर्फ कुमराम उर्फ रामराव उर्फ गनपत मडावी, रीता उर्फ तुब्बी श्रीरांग हिडामी, संतु उर्फ तीजूराम धर्म सिंह पोरेटी सहित कुल 20 से अधिक नामजद माओवादियों के खिलाफ पुलिस पार्टी पर जानलेवा हमला और फायरिंग करने का मामला दर्ज किया है।

2 साल बाद खुलेंगे नए नर्सिंग कॉलेज, मध्य प्रदेश नर्सिंग काउंसिल ने शुरू की आवेदन की प्रक्रिया

भोपाल। नर्सिंग कॉलेजों में बड़े पैमाने पर हुए फर्जीवाड़े और सीबीआई जांच के बाद अब दो वर्षों के अंतराल पर मध्य प्रदेश में फिर से नए नर्सिंग कॉलेजों को अनुमति देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वर्ष 2022-23 के बाद पहली बार नए कॉलेज खोलने के लिए आवेदन मांगे गए हैं। जून में यह स्पष्ट होगा कि कितने आवेदन प्राप्त हुए हैं।

गौरतलब है कि वर्ष 2022-23 में जब अंतिम बार नए नर्सिंग कॉलेजों की अनुमति दी गई थी, तब कॉलेजों में मापदंडों की अनदेखी और फर्जी मान्यता संबंधी मामलों को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

ला स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने जांच सीबीआई को सौंपी थी। जांच में सामने आया कि कई कॉलेज बिना बुनियादी ढांचे और योग्य स्टाफ के संचालित हो रहे थे। इसके बाद 550 से अधिक कॉलेजों में से लगभग आधे को बंद कर दिया गया।

नए नियम और कसावट के साथ मान्यता

अब नए सत्र 2024-25 में केवल 227 कॉलेजों की मान्यता का नवीनीकरण हो सका है। इस कारण प्रदेश में नर्सिंग स्टाफ की कमी की आशंका जताई जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने नए कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है, जिनमें 27 शासकीय नर्सिंग कॉलेज शामिल होंगे।

मध्य प्रदेश नर्सिंग काउंसिल के अनुसार, नए कॉलेजों को वर्ष 2018 के मापदंडों के तहत ही मान्यता दी जाएगी। आधार आधारित फैकल्टी सत्यापन और कॉलेज की गूगल लोकेशन अनिवार्य की जाएगी। साथ ही, निरीक्षण दल में प्रशासनिक अधिकारी भी सम्मिलित किए जाएंगे। कड़े नियमों के कारण इस बार 50 से 100 के बीच ही नए कॉलेजों को अनुमति मिलने की संभावना जताई जा रही है।

अंबिकापुर इंटरसिटी सहित 18 ट्रेन जून के पहले हफ्ते में रहेंगी कैंसल

जबलपुर। जबलपुर-अंबिकापुर इंटरसिटी सहित न्यू कटनी जंक्शन से गुजरने वाली 18 ट्रेनें जून के पहले सप्ताह में निरस्त रहेंगी। वहीं, गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से संचालित होगी। इस दौरान रेलवे की ओर कटंगी खुर्द से झलवारा स्टेशन तक निर्मित कार्ड लाइन को जोड़ने का कार्य होगा।

रेल लाइन को कटनी ग्रेड सेपरेटर से भी जोड़ा जाएगा। इसके प्रीएनआइ और एनआइ कार्य के ब्लाक के लिए ग्रेड सेपरेटर कार्ड लाइन बनाने वाली कंपनी इरकान की ओर से ब्लाक मांगा गया था। इसे दक्षिण पूर्व मध्य रेल ने स्वीकृति प्रदान कर दिया है। इससे पूर्व मई माह में कार्य प्रस्तावित किया गया था। इसमें अब परिवर्तन कर नई कार्ययोजना तैयार की गई है। एनकेजे यार्ड में दबाव कम होगा, ट्रेनें लेट नहीं होंगी

सिंगरौली रेलमार्ग पर कटंगी-खुर्द से झलवारा स्टेशन कार्ड लाइन से जुड़ने पर न्यू कटनी जंक्शन-एनकेजे यार्ड में मालगाड़ी का दबाव कम होगा।

अभी सिंगरौली से बिलासपुर आने-जाने वाली मालगाड़ी का एनकेजे यार्ड में इंजन बदलना पड़ता है। ग्रेड सेरपेटर कार्डलाइन से जुडने के बाद मालगाड़ियां सीधे बिलासपुर से आकर सिंगरौली की ओर आवाजाही कर सकेंगी। एनकेजे यार्ड से ट्रेन का दबाव कम होने से यात्री ट्रेनों भी आउटर से तेजी से गुजर सकेंगी।

ये ट्रेन चलती रहेंगी- कार्ड लाइन कार्य की नई कार्ययोजना में यात्रियों को राहत देने के प्रयास किए गए हैं।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश को दी 6 अमृत रेलवे स्टेशनों की सौगात

भोपाल। भारतीय रेल के लिए आज दिन ऐतिहासिक और अविस्मरणीय हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बीकानेर से वर्चुअली जुड़कर अब तक रिडेवलप किए गए 100 से ज्यादा अमृत स्टेशनों का उद्घाटन किया।

देश में कुल 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों में मध्य प्रदेश के 6 अमृत स्टेशन शामिल हैं। शाजापुर स्टेशन के साथ ही इसमें कटनी साउथ, श्रीधाम, नर्मदापुरम, सिवनी और ओरछा स्टेशन शामिल है। देश के विकास का प्रवेश द्वार सिद्ध होने जा रहे ये सभी स्टेशन न सिर्फ यात्रियों को सुगम, सुरक्षित व आनंददायक यात्रा का अनुभव देंगे, बल्कि व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेंगे।कटनी साउथ स्टेशन के नए स्वरूप के उद्घाटन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा सहित डीआरएम व स्थानीय विधायक मौजूद हैं।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- 2028 कब आ जाएगा पता भी नहीं चलेगा, सिंहस्थ के लिए मानसून के बाद मैदानी काम शुरू करें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि 2028 कब आ जाएगा, पता भी नहीं चलेगा। सिंहस्थ को लेकर जो कागजी प्रक्रिया चल रही हैं, उन्हें धरातल पर उतारने का काम मानसून के बाद हर हाल में प्रारंभ कर दिया जाए। यदि किसी विभाग में तकनीकी अधिकारियों-कर्मचारियों की कमी है तो उसे दूसरे विभागों से लेकर या अन्य माध्यमों से पूरा किया जाए।

रेलवे से जुड़े कामों को सुगम बनाने के लिए एक अधिकारी तैनात किया जाए ताकि समन्वय में कोई समस्या ना आए। मुख्यमंत्री बुधवार को मंत्रालय में सिंहस्थ 2028 की मंत्रिमंडलीय समिति की तीसरी बैठक कर रहे थे। समय सीमा में पूरा होना चाहिए काम

उन्होंने कहा कि सिंहस्थ से संबंधित अधोसंरचना के कार्यों को समय सीमा में पूरा किया जाना आवश्यक है। हर काम समय सीमा में हों, यह निर्धारित किया जाए। इसके लिए कार्यालयीन जो भी प्रक्रियाएं हैं, उन्हें वर्षाकाल तक पूरा कर लिया जाए ताकि इसके ठीक बाद निर्माण प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएं।

नगर निगम उज्जैन, विकास प्राधिकरण सहित अन्य निर्माण एजेंसियों में यदि तकनीकी अधिकारी-कर्मचारियों की कमी है तो अन्य विभागों से प्रतिनियुक्ति पर लेकर यह कमी दूर की जाए। बड़ी संख्या में श्रद्धालु रेल से आते हैं लेकिन सरंचना ऐसी है कि समस्या आती है। इसे दूर करने के लिए रेल मंत्रालय द्वारा जो व्यवस्थाएं की जा रही हैं, उसमें समन्वय बनाने के लिए मंत्रालय के ही एक अधिकारी की सेवाएं प्रतिनियुक्त पर ली जाएं। दरअसल, सिंहस्थ के दौरान महाकालेश्वर सहित ओंकारेश्वर और मंदसौर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर भी श्रद्धालुओं के आवागमन के मुख्य केंद्र रहेंगे, इसलिए सड़क मार्गों के साथ-साथ रेलवे से बेहतर समन्वय होना चाहिए।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल की अध्यक्षता में झाबुआ में पंच सरपंच सम्मेलन सम्पन्न

नदियों का मायका कहे जाने वाले प्रदेश में नदियों के उद्गम स्थलों का संरक्षण जरूरी - मंत्री श्री पटेल

इंदौर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम विभाग मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में इंजीनियरिंग कॉलेज झाबुआ में पंच सरपंच सम्मेलन का आयोजन हुआ।

पंच सरपंच सम्मेलन का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके बाद महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया और अन्य के द्वारा मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल का स्वागत जिले की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करती झुलडी, साफा , तीर कमान और गुड़िया भेंट कर किया गया।

पंच सरपंच सम्मेलन में मंत्री श्री पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा हैं। जिसके तहत जल संरचनाओं के नव निर्माण में खेत तालाब , अमृत सरोवरों एवं अन्य जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण के साथ पुरानी संरचनाओं के जीर्णोद्धार, साफ सफाई का कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान दूरगामी और त्वरित रूप से परिणाम दिए जाने के साथ ही मानसून के पूर्व जल संरचनाओं को तैयार किए जाने के उद्देश्य से किया जा रहा हैं।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है इसलिए आवश्यक है कि नदियों के उद्गम का भ्रमण किया जाए और नदियों में पानी की उपलब्धता बनी रहे इसके लिए परिणामदायी प्रयास किए जाने चाहिए । इसी उद्देश्य से पिछले वर्ष से अब तक 63 और जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विगत एक माह में 32 नदियों के उद्गम का भ्रमण किया हैं, क्योंकि बड़ी नदियों के संरक्षण के साथ छोटी नदियों का भी संरक्षण आवश्यक हैं। जिससे नदियों के स्त्रोत सूखने ना पाए, जल स्तर में हो रही कमी को दूर किया जा सके और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए आज से प्रयास किए जाए।

उन्होंने कहा कि सशक्त पौधारोपण को प्राथमिकता देना चाहिए, जिससे एक पौधे को वृक्ष बनने में लगने वाले समय का संरक्षण किया जाए जिससे आने वाले समय में उसके लाभ प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्गों द्वारा विभिन्न पद्धतियों का उपयोग करते हुए प्रकृति का संरक्षण किया गया, लेकिन आज बदलती जीवन शैली में हम उन परंपराओं को भुलते जा रहे हैं।

मध्यप्रदेश जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट देश में अभिनव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में आत्मनिर्भर जिला विकसित मध्य प्रदेश के संकल्प को अब मूर्त-रूप देते हुए जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट तैयार की गई है। यह रिपोर्ट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को साकार करने की दिशा में ठोस पहल है जिसके अनुसार विकसित भारत का संकल्प देश के हर जिले में लिया जाएगा। यह पहल पूरे देश में अभिनव है। योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा आज भोपाल में अटल बिहारी वाजपेई सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट 2022-23 का विमोचन किया गया।

अपर मुख्य सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला ने कहा कि डाटा आधारित नीति निर्माण के लिए जिला स्तर पर आर्थिक आंकड़ों का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने इसे मध्यप्रदेश के विजन 2047 की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिलों को आर्थिक विकास की धुरी बनाते हुए बॉटम अप दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना है। यह रिपोर्ट राज्य के सभी जिलों की आर्थिक गतिविधियों का विश्लेषण प्रस्तुत करती है जो न केवल नीति निर्माण को डाटा आधारित बनाएगा साथ ही राज्य के विजन 2047 को जमीन पर भी उतारेगा। रिपोर्ट के अनुसार 2022-23 में इंदौर, भोपाल, जबलपुर और उज्जैन जैसे जिलों ने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में सर्वाधिक योगदान दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर में सेना के अदम्य साहस, पराक्रम एवं शौर्य को देखते हुए सैनिकों के कल्याण के लिये अनूठी पहल

इंदौर। इंदौर में ऑपरेशन सिंदूर में सेना के अदम्य साहस, पराक्रम एवं शौर्य को देखते हुए सैनिकों तथा उनके परिजनों के कल्याण के लिये अनूठी पहल हुई है। सेवानिवृत्त मध्यप्रदेश शासकीय महाविद्यालनीय प्राध्यापक मंच द्वारा पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके परिवारों के सहायतार्थ सशस्त्र सेना झंडा निधि में एक लाख 50 हजार रुपये की सहयोग राशि दान की है। यह दानराशि संस्था के वरिष्ठ सदस्यों डॉ. प्रभुदयाल ज्ञानानी, डॉ. नरेंद्र ओझा एवं डॉ. राजेश दीक्षित द्वारा आज 21 मई को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में शहीदों के सम्मान एवं ऑपरेशन सिंदूर में सेना के अदम्य साहस, पराक्रम एवं शौर्य को समर्पित करते हुए जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (सेवानिवृत्त) को भेंट स्वरूप प्रदान की। उल्लेखनीय है कि यह राशि भूतपूर्व सैनिकों, शहीदों की विधवाओं एवं उनके परिवारों के कल्याण एवं पुनर्वास में संचालनालय सैनिक कल्याण मध्य प्रदेश द्वारा उपयोग में ली जाती है।

प्रकृति को सहेजना हमारा कर्तव्य है - मंत्री श्री पटेल

इंदौर। हम सभी प्रकृति का किसी न किसी रूप में अपनी जरूरतों के हिसाब से उपयोग करते हैं, लेकिन बदले में प्रकृति को देना भूल जाते हैं। जल गंगा संवर्धन के माध्यम से हम अपनी प्राकृतिक स?त्रोत को सहेज के रख सकते हैं। जल गंगा संवर्धन का मुख?य उद्देश?य ही अपने आस पास के जल स?त्रोतों का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार करना है, ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा बन सके और उन्हें भी प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए प्रेरणा मिल सके। यह बात आज आलीराजपुर जिले में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कही।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंचायत को आत्मनिर्भर बनना चाहिए, ताकि आप अपने क्षेत्र का और अधिक विकास कर सकें। धरती आबा योजना के तहत गांवों में सड़क, पानी, बिजली जैसी बुनियादी सेवाओं का विस्तार किया जाना चाहिए और ऐसी कार्ययोजना तैयार करना चाहिए जिससे पंचायत को राजस्व प्राप्त हो और वहां के निवासियों को रोजगार उपलब्ध हो सके। शासन द्वारा राज्य की ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाना और ग्रामीण विकास को गति देने के लिए प्रदेश के सरपंचों को प्रशासनिक स्वीकृति अब 15 लाख की बजाय 25 लाख की गई है। जिससे वह अपनी ग्राम पंचायत में निर्माण कार्य और अधिक कर अपनी ग्राम पंचायत को आत्मनिर्भर बना सके।

छोटे-छोटे प्रयासों से ही हम जल के संसाधनों और प्राकृतिक परिसंपत्तियों का बचाव कर सकते हैं - मंत्री श्री पटेल

इंदौर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल आज आलीराजपुर जिले के प्रवास पर रहे। मंत्री श्री पटेल जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अनास नदी उद्गम स्थल जीर्णोद्धार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेली पहाडी ग्राम फुटतालाब बडा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अनास नदी के उद्गम स्थल पर पूजा अर्चना कर दंडवत प्रणाम किया। साथ ही उपस्थित ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि हमें नदियों के उद्गम स्थल की जानकारी होना चाहिए , छोटी नदियों के उत्थान से बड़ी नदियों में पानी रहेगा और पानी रहेगा तभी हमारा भविष्य भी सुरक्षित होगा। इस दौरान उन्होंने बताया कि इस वर्ष अनास नदी के उद्गम स्थल को मिलाकर उन्होंने अभी तक 62 नदियों के उद्गम स्थल के दर्शन किए। साथ ही प्रण लिया है कि प्रदेश की समस्त उद्गम स्थल पर जीर्णोद्धार कर जल संरक्षण का कार्य किया जाएगा।

मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने भामची नदी के उदगम स्थल का किया पूजन

इंदौर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल झाबुआ जिले की जनपद पंचायत राणापुर की ग्राम पंचायत कंजावानी खास पहुंचे। यहां उन्होंने नदी के उदगम स्थल के समीप स्थित शिव मंदिर का पूजन किया। मंदिर से नदी के उद्गम स्थल तक कलश यात्रा निकाली गई। तत्पश्चात मंत्री श्री पटेल ने भामची नदी के उदगम स्थल का विधिवत पूजन किया। इस दौरान मंत्री श्री नागरसिंह चौहान भी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत कंजावानी खास पर अलग-अलग समुदाय के लोग निवासरत हैं। यह ग्राम पंचायत, अलीराजपुर जिले के भाबरा तहसील ग्राम छापरी व गुजरात सीमा से लगा हुआ राणापुर जनपद पंचायत जिला झाबुआ की ग्राम पंचायत है। उक्त ग्राम पंचायत के ग्वालदरा फलिया की पहाड़ियों से भामची नदी का उद्गम हुआ। उद्गम स्थल पर शिव मंदिर विराजमान है जो एक दर्शनीय स्थल है यहां का वातावरण बहुत ही शांत वह शीतल है ।

उक्त नदी के उद्गम स्थल पर बारहमासी पानी रहता है उक्त नदी ग्वालदरा फलिया से उद्गम होकर ग्राम पंचायत रूपा खेड़ा, मंडली नाथू,गलती, कुंदनपुर, नागन खेड़ी, से होते हुए लगभग 35 से 40 किलोमीटर बाद झाबुआ विकासखंड के ग्राम मंडली बड़ी में मौद नदी में जाकर समाहित हो जाती है। उक्त नदी पर ग्राम पंचायत कुंदनपुर में मध्य प्रदेश शासन द्वारा एक बड़े बैराज का निर्माण किया गया है जिसमें लगभग 100 हेक्टेयर की भूमि सिंचाई होती है। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेंद्र सिंह चौहान, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा श्री सी एस अलावा, एसडीओपी श्रीमती रूपरेखा यादव, तहसीलदार राणापुर, अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इंदौर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान बन रहा है जन आंदोलन

जिले में अभियान के तहत जन सहयोग से जल संरक्षण और संवर्धन के हजारों कार्य हुए प्रारंभ

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा पर प्रारंभ हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान इन्दौर जिले में जन आन्दोलन के रूप में ख्याति प्राप्त कर रहा है। ग्रामीणों और समाजसेवियों की भागीदारी से जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यों के फलस्वरूप इन्दौर में जल संचय होगा, जिसका सीधा लाभ आमजन और किसानों को मिलेगा। इसके लिए अभियान के तहत इंदौर जिले में जल संरक्षण और संवर्धन के हजारों कार्य प्रारंभ किये गए हैं। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज इंदौर में अभियान की प्रगति की समीक्षा की और निर्देश दिये कि सभी तालाबों, कुएं और बावड़ियों पर से सारे अतिक्रमण हटाये जाये, जिससे इनमें अधिक से अधिक मात्रा में जल संग्रहण हो।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में श्री सिलावट ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संपूर्ण मध्यप्रदेश में लागू कर जल संवर्धन के कार्यों को मूर्त रूप दिया जा रहा है, ताकि हम आने वाली पीढ़ी को हम प्रचुर मात्रा में जल संचय भण्डार विरासत में दे सकें।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति के बारे में जानकारी ली। इस कार्य को जन आन्दोलन बनाने के लिए निर्देश देते हुए कहा कि जल का कोई विकल्प नहीं है, जल है तो कल है, इस बात का आह्वान होना चाहिए।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

नीलगंगा पेशवाई मार्ग पर रेलवे ठेकेदार द्वारा बॉउंड्रीवाल निर्माण को नगर निगम द्वारा तत्काल तोड़ा गया

उज्जैन। रेल्वे विभाग द्वारा मास्टर प्लान अनुसार नगर निगम के 24 मीटर चौड़े रोड़ की चौड़ाई में आ रहे हैं भाग पर बाउंड्री वाल का निर्माण किया जा रहा था जिसे गुरुवार को नगर निगम द्वारा हटाने की कार्यवाही की गई

उक्त मार्ग सिंहस्थ पेशवाई का होकर भारतीय ज्ञान पीठ के सामने मुख्य टर्न है बाउंड्री वॉल के बनने से यह टर्न छोटा हो जाता एवं यातायात प्रभावित होता, नागरिक हित में नगर निगम द्वारा कार्यवाही करते हुए निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल के लोहे का जाल जेसीबी की सहायता से हटाकर रेलवे की जमीन पर रखवाया गया।

रेलवे द्वारा किए जा रहे उक्त निर्माण कार्य की सूचना मिलने पर नगर निगम के अधिकारी स्थल पर पहुंचे एवं रेलवे की जमीन से नपती करते हुए पाया कि उक्त जमीन नगर निगम के मास्टर प्लान अंतर्गत आती है जहां रेलवे द्वारा गड्ढे खोदते हुए सरियों का जाल बिछाया जा रहा था एवं बाउंड्री वॉल का निर्माण प्रचलित था निगम द्वारा करवाई अंतर्गत लोहे के जाल को हटाते हुए खोदे गए गढ्ढों को वापस भराव करते हुए समतलीकरण किया गया तथा रेलवे विभाग को नोटिस देते हुए नोटिस में कहा कि उक्त निर्माण निगम की जमीन पर ना करते हुए अपनी सीमा में ही निर्माण कार्य किया जाए।

उक्त कार्यवाही कार्यपालन यंत्री श्री लक्ष्मण प्रसाद साहू, गैंग प्रभारी श्री राज गोडाले एवं अतिक्रमण गैंग की उपस्थिति में की गई।

निरंतर जारी है मुख्य मार्गो पर से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

नगर निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देश के क्रम में समस्त गैंग प्रभारियों द्वारा अपने-अपने जोन क्षेत्र अंतर्गत अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है जिसके क्रम में गुरुवार को देवास गेट बस स्टैंड से मालीपुरा मुख्य चौराहा एवं भारत माता मंदिर से महाकाल चौराहा तक नगर निगम अतिक्रमण गैंग द्वारा अस्थाई ठेले एवं गुमटियों को हटाने की कार्यवाही गैंग प्रभारी श्री मोनू थनवार, श्री मनीष बाली, श्री सोनू जाटवा द्वारा की गई।

आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर सौंपा ज्ञापन

उज्जैन। आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर आशा एवं सुपरवाइज़र कर्मचारी महासंघ प्रदेश महामंत्री सुमन पटेल, उज्जैन के नेतृत्व में कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

प्रदेश महामंत्री सुमन पटेल ने कलेक्टर के नाम की शिकायत में बताया कि रतलाम जिले के आलोट तहसील अंतर्गत आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है। सरकारी पोर्टल पर आशा कार्यकर्ताओं के खातों में राशि ट्रांसफर की जा रही है, लेकिन वह राशि अधिकारियों और सुपरवाइज़रों की मिलीभगत से उनसे जबरन वापस ले ली जाती है। जब कोई आशा कार्यकर्ता इसका विरोध करती है, तो उन्हें धमकियाँ दी जाती हैं और कहा जाता है कि ÷हमारी पहुँच भोपाल और दिल्ली तक है, तुम्हारी कहीं सुनवाई नहीं होगी।

आशा कार्यकर्ता विष्णुबाई ने बताया कि शकुंतला ने उनके एवं अन्य आशाओं के खाते में भुगतान की राशि डालकर उनसे जबरन वापस ली। जब उन्होंने मना किया, तो उन्हें नौकरी से हटाने की धमकी दी गई। यह राशि अधिकारियों और सुपरवाइजर (शकुंतला) की मिलीभगत से निकाली गई है। इस प्रकार की घटनाएं न केवल शर्मनाक हैं, बल्कि सरकार की योजनाओं और प्रयासों की गरिमा को भी ठेस पहुंचाती हैं। इस मामले में दुर्गाबाई, निवासी हिंगड़ी, कृष्णाबाई, निवासी मऊखेड़ी, गीताबाई, निवासी केलूखेड़ी जैसी कुछ प्रभावित आशा कार्यकर्ता हैं। विष्णुबाई ने प्रत्यक्ष रूप से शिकायत की है कि खाते में आई राशि उनसे वापस ले ली गई और धमकी दी गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान ममता मालवीय, विष्णु कुंवर, भूली बाई, सुरेश वर्मा सहित मौजूद आशा एवं सुपरवाइज़र कर्मचारी ने मांग की कि आलोट तहसील एवं समस्त रतलाम जिले की गहन निष्पक्ष जाँच कराई जाए।

नर्सिंग आफिसर एसोसिएशन ने दोषियों पर सख्त कार्यवाही करने को लेकर दिया ज्ञापन

उज्जैन। पिछले दिनों हुई चरक भवन अस्पताल में घटनाओं के विरोध में चरक भवन अस्पताल में नर्सिंग आफिसर एसोसिएशन की जिला अध्यक्ष संगीता शर्मा के नेतृत्व में सिविल सर्जन श्रीमान अजय दिवाकर सर के साथ समस्त नर्सिंग आफिसर्स (मेल, फिमेल) ने मीटिंग रखी गई। बैठक में नर्सिंग आफिसर्स के सुरक्षा को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा हुई।मीटिंग के बाद 19/05/2025 नर्सिंग आफिसर्स के साथ घटित घटना के विरोध में ज्ञापन दिया गया।

आलोक इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी साहिल पटेल ने जीता स्वर्ण पदक

उज्जैन। भविष्य के लिए कुशल सैनिक तैयार करने, उन्हें युद्ध कौशल में पारंगत करने, सैन्य रणनीति तथा नेतृत्व कला में कुशल बनाने उद्देश्य से बटालियन-2 एमपी आर एंड वी एनसीसी बीएन महू द्वारा एमराल्ड हाइट्स स्कूल राऊ में 10 मई से 19 मई तक आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में आलोक इंटरनेशनल स्कूल के 9 कैडेट्स ने भाग लिया तथा वहां होने वाले खेलकूद एवं साहसिक गतिविधियों में एनसीसी थर्ड ऑफिसर जितेंद्र पांचाल के मार्गदर्शन में बढ़ चढ़कर उत्साह पूर्वक भाग लिया। जिनमें आलोक इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी साहिल पटेल ने 100 मीटर एवं 200 मीटर रैपिड रेस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय अध्यक्ष आलोक वशिष्ठ, प्राचार्य एवं अन्य सभी शिक्षकगण ने उन्हें बधाई दी।

शासकीय भूमि की एक फोटो देखकर 10 रजिस्ट्री करने वाले रजिस्ट्रार को बर्खास्त करने की मांग

उज्जैन। एक फोटो के आधार पर शासकीय भूमि की 10 रजिस्ट्री करने वाले रजिस्ट्रार को बर्खास्त करने की मांग को लेकर मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास के संस्थापक व अध्यक्ष व हिंदू टाइगर फोर्स भारत के राष्ट्रीय महासचिव मनीष सिंह चौहान के नेतृत्व में जिला रजिस्ट्रार कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि वार्ड क्रमांक 13 झोन क्रमांक 01 अंतर्गत वीर दूर्गादास मार्ग पत्ती बाजार बडनगर रोड स्थित शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 716/1 पर बोहरा परिवार हुकूमुद्दीन बुरानुद्दीन असगर अली और इनकी मां ने शहर के भूमाफिया जोगेश गोविंदानी, कवीता गोविंदानी, भरत गोविंदानी, मनोज गोविंदानी, कमलेश प्रजापति, विशाल कृष्णानी, सलीम खान, जावेद खान और नगर निगम झोन के अधिकारी रजिस्ट्रार कार्यालय के भ्रष्ट अधिकारी से मिलकर शासकीय नगर पालिका निगम उज्जैन के स्वामित्व की भूमि है को बेच दिया।

मनीषसिंह चौहान ने कहा कि मय प्रमाण शिकायत वर्ष 2021 से आज तक की गई लेकिन रजिस्ट्रार कार्यालय के भ्रष्ट अधिकारीयों ने मोटी रकम लेकर शासकीय भूमि का क्रय विक्रय कर दिया गया जो आज दिनांक तक जारी है। शिकायत पर रजिस्ट्रार कार्यालय में भूमाफियाओं पर स्टॉप शुल्क चोरी का प्रकरण अपने विभाग में दर्ज किया है। लेकिन रजिस्ट्रार कार्यालय के अधिकारी शायद भूमाफियाओं पर मेहरबान है कि भूमाफियाओं ने प्लाट का फोटो लगाकर बहुमंजील इमारत की रजिस्ट्री करवा ली है अधिकारी द्वारा अभी तक उनसे ना तो स्टॉप शुल्क की वसूली नही की गई है। और ना ही उन पर किसी बडी कार्यवाही भी नही की गई।

मनीषसिंह चौहान के अनुसार भूमाफियाओं ने अधिकारी से मिलकर मात्र एक फोटो बार बार उपयोग करके 10 रजिस्ट्रीयां करवा ली है जब हम लोगो ने रजिस्ट्रार अधिकारीयों से इस संबंध में सबूत के साथ अपनी बात रखी तो उनका केहना था कि दिन भर में कई रजिस्ट्रीयां करते है सभी रजिस्ट्रीयों के फोटो याद रखना संभव नही है। इसी के चलते मध्यप्रदेश शासन को राजस्व की हानि हुई है। इस संबंध में इंदौर हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका लगा रखी है। जिस पर उज्जैन कलेक्टर के द्वारा अपने जवाब में उक्त भूखण्ड को शासकीय भूमि में होना बताया है। इसका मतलब है कि उज्जैन जिला कलेक्टर द्वारा भूमि को शासकीय घोषित करने के बाद भी रजिस्ट्रार कार्यालय उस भूमि की रजिस्ट्री करने पर उतारू है। शिकायत पर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के अधिकारीयों ने 30/04/2025 को पटवारी के साथ उक्त भूखण्ड का पंचनामा बनाया है और नगर पालिका निगम उज्जैन से भूमि संबंधित दस्तावेज भी मंगवाये है अतिशिघ्र विभाग द्वारा भूमाफिया और नगर निगम अधिकारी और रजिस्ट्रार अधिकारी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया जा सकता है।

अजाक्स ने प्रभारी मंत्री का अभिनंदन कर ज्ञापन दिया

उज्जैन। प्रभारी मंत्री गोतम टेटवाल का उज्जैन आगमन पर देवास रोड स्थित सर्किट हाउस पर मंत्री का अजाक्स संगठन द्वारा अभिनंदन किया और नौ वर्षो लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया। संभागीय अध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि जे एन कंसोटिया साहब के मार्गदर्शन में अजाक्स संघ षरत होकर संवैधानिक अधिकार की मांग लंबे समय से कर रहा है। पर सरकार की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसको लेकर प्रभारी मंत्री को अजाक्स संघ मुलाकात कर ज्ञापन दिया गया। संगठन की ज्ञापन में प्रमुख मांग है कि मध्यप्रदेश में सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता मनोज गोरकेला मसौदा नवीन पदोन्नति नियम लागू करन, बेकलॉग पदो की पूर्ति, छात्रवृत्ति का समय से भुगतान, नया छात्रावास का निर्माण, पुरानी पेंशन लागू करना, निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू करना, ठेका प्रथा समाप्त करना, नियमित नियुक्ति दी जाना, पीएससी में इंटरव्यू प्रथा समाप्त करना अन्य सभी मांगों जल्द से जल्द पूरा करने को लेकर ज्ञापन दिया है। दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का नियमितीकरण सरकारी सहायता प्राप्त मंदिरों में प्रतिनिधित्व न्यायपालिका में आरक्षण रोस्टर का पालन तकनीकी शिक्षा के अंतर्गत की गई अवैध पोस्टिंग रद्द करना पेंशन बकाया का भुगतान कुटनीति क्लर्को का स्थानांतरण सहित कई वर्ष से लंबित अजाक्स के मांगो का निराकरण किये जाने का मंत्री से निवेदन किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com